विश्वविद्यालयों को विकास योजनाओं के लिए दी जाने वाली सहायता

2221. **श्रीमती वीणा वर्मा :**
श्री कपिल वर्मा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्वविद्यालयों को विकास योजनाओं के लिये दी जाने वाली सहायता राशि कुल संसाधनों के लिये दी जाने वाली राशि के मुकाबले कम है;

(ख) गैर-योजनागत कार्यक्रमों के अंतर्गत विश्वविद्यालयों को आवंटित कुल राशि में से पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद के लिये कितने प्रतिशत सालाना राशि आवंटित की गई है; और

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय और सप्रू हाउस लाइब्रेरी को पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं के खरीद के लिये कितनी धनराशि दी गई ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शिक्षण तथा अनुसंधान की कोटि और स्तर को प्रोन्नत करने के लिए भवनों, पुस्तक तथा पत्रिकाओं, उपस्कर और अन्य सुविधाओं जैसी संस्थागत बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ करने के वास्ते विश्वविद्यालयों को विकास अनुदान प्रदान करता है । इसके अतिरिक्त, शिक्षण तथा अनुसंधान को समृद्ध करने वाली विशिष्ट योजनाओं के अंतर्गत भी सहायता प्रदान की जाती है । वि०अ०आ० केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान भी प्रदान करता है । तथापि, राज्य विश्वविद्यालयों के अनुरक्षण व्यय संबंधित राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाते हैं । वि०अ०आ० द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार आयोग ने 7वीं योजना के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों के लिए 154.83 करोड़ रुपये और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए 97.68 करोड़ रुपये आवंटित किए । इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को लगभग 516.00 करोड़ रुपये के योजनेत्तर अनुदान प्रदान किए गए हैं ।

(ख) वि०अ०आ० ने सूचित किया है कि सातवीं योजना के दौरान, केन्द्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों के लिए कुल आवंटन का लगभग 10.7 प्रतिशत पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए था । योजनेत्तर के अंतर्गत पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए कोई सहायता प्रदान नहीं की जाती ।

(ग) वि०अ०आ० द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार यह दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों के अनुरक्षण के लिए लगभग 90.00 लाख रुपये प्रति वर्ष प्रदान कर रहा है । इसके अतिरिक्त सातवीं योजना के दौरान, आयोग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के वास्ते 55.00 लाख रुपये का आवंटन प्रदान किया ।

संस्कृति विभाग द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार इसने सप्रू हाउस पुस्तकालय के अनुरक्षण के लिए भारतीय विश्व कार्य परिषद् को योजनागत के अंतर्गत 12.00 लाख रुपये और योजनेत्तर के अंतर्गत 5.83 लाख रुपये की राशि के अनुदान प्रदान किए । तथापि, उपर्युक्त अनुदान में से वह राशि, जिसका उपयोग पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद के लिए किया गया है, उपलब्ध नहीं है ।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की उपलब्धियां

2222. **श्रीमती वीणा वर्मा :**
श्री कपिल वर्मा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना लोगों में पुस्तकों के प्रति रुचि पैदा करने, उनके